4 समास

समास का अर्थ है—संक्षेपीकरण अर्थात दो शब्दों को मिलाकर एक कर देना।

परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक पदों (शब्दों) के योग से एक नए शब्द को बनाने की प्रक्रिया को 'समास' कहते हैं।

जैसे—
युद्ध के लिए भूमि = युद्धभूमि
घोड़ों की दौड़ = घुड़दौड़
सत्य के लिए आग्रह = सत्याग्रह
परम है जो आनंद = परमानंद

समस्तपद

समास अर्थात संक्षेप की प्रक्रिया द्वारा छोटे बनाए गए पद को **समस्तपद** या **सामासिक शब्द** कहा जाता है।

जिन दो शब्दों के मेल से समस्तपद बना हो, उसके पहले शब्द को **पूर्वपद** और दूसरे को **उत्तरपद** कहा जाता है। जैसे—देश का वासी = 'देशवासी' समस्तपद में 'देश' पूर्वपद और 'वासी' उत्तरपद है।

समास-विग्रह

समस्तपद को पुनः तोड़ने अर्थात उसके खंडों को पृथक-पृथक करके पहले जैसी अवस्था में लाने की क्रिया को **विग्रह** या **समास-विग्रह** कहा जाता है। जैसे—

गुरुदक्षिणा समस्तपद का विग्रह होगा—**गुरु के लिए दक्षिणा**
प्रतिदिन समस्तपद का विग्रह होगा — **प्रत्येक दिन/दिन-दिन**

समस्त पद में कभी पहला पद प्रधान होता है, कभी दूसरा पद और कभी कोई अन्य पद प्रधान होता है, जिसका नाम समस्तपद में नहीं होता और समस्तपद उस तीसरे पद का विशेषण अथवा पर्याय होता है। पद की प्रधानता तथा उसके विग्रह के आधार पर ही प्रायः इस बात का निर्णय होता है कि उसमें कौन-सा समास है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि–

(1) शब्दों को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
(2) समास के लिए कम-से-कम दो पद होने चाहिए।
(3) पहले पद को पूर्वपद और दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं।
(4) शब्दों को जोड़ने या मिलाने से जो नया शब्द बनता है, उसे समस्तपद कहते हैं।
(5) समस्तपद को अलग करने की क्रिया समास-विग्रह कहलाती है।
(6) समास-प्रक्रिया में बीच की विभक्तियों का लोप हो जाता है।
(7) समास के प्रयोग से भाषा में संक्षिप्तता और उत्कृष्टता आती है।

समास के भेद

समास के निम्नलिखित **छह** भेद हैं—

(1) अव्ययीभाव समास (2) तत्पुरुष समास
(3) कर्मधारय समास (4) द्विगु समास
(5) द्वंद्व समास (6) बहुव्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास

जिस समास का **पहला पद अव्यय** होता है और **प्रधान** होता है, उसे **अव्ययीभाव समास** कहते हैं। इसका सामासिक पद भी **अव्यय** बन जाता है। जैसे—

सामासिक पद	**समास-विग्रह**
यथानियम	नियम के अनुसार
प्रतिमास	प्रत्येक मास, मास-मास
यथासंभव	जितना संभव हो
बेनाम	बिना नाम के

2. तत्पुरुष समास

जिस समास का **दूसरा पद प्रधान** होता है और दोनों पदों के बीच से कारकों के परसर्ग हट जाते हैं, उसे **तत्पुरुष समास** कहते हैं। इस समास में कारकों की विभक्तियों के नाम के अनुसार इसके छह भेद किए गए हैं—

तत्पुरुष समास के भेद

(क) कर्म तत्पुरुष

ग्रंथकार = ग्रंथ **को** लिखनेवाला
यशप्राप्त = यश **को** प्राप्त
माखनचोर = माखन **को** चुरानेवाला
गगनचुंबी = गगन **को** चूमने वाला **[CBSE 2010 (Term – I)]**
सम्मानप्राप्त= सम्मान **को** प्राप्त
गिरहकट = गिरह **को** काटने वाला
जेबकतरा = जब **को** कतरने वाला
सुखप्राप्त = सुख **को** प्राप्त **[CBSE 2010 (Term – I)]**
शरणागत = शरण **को** आगत
आशातीत = आशा **को** लाँघकर गया हुआ

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

परलोकगमन = परलोक **को** गमन
परलोकगत = परलोक **को** गया हुआ
इन उदाहरणों में कर्म कारक की विभक्ति '**को**' का लोप हुआ है।

(ख) करण तत्पुरुष

सूरकृत = सूर **द्वारा** कृत
मदांध = मद **से** अंधा
वाल्मीकिरचित = वाल्मीकि **द्वारा** रचित
रोगग्रस्त = रोग **से** ग्रस्त
अशोकनिर्मित = अशोक **द्वारा** निर्मित
शक्तिसंपन्न = शक्ति **से** संपन्न
तुलसीकृत = तुलसी **द्वारा** कृत
ईश्वर प्रदत्त = ईश्वर **द्वारा** प्रदत्त
हस्तलिखित = हस्त **से** लिखित **[CBSE 2010 (Term – I)]**
मुँहमाँगा = मुँह **से** माँगा हुआ
शोकातुर = शोक **से** आतुर
नीतियुक्त = नीति **से** युक्त
शराहत = शर **से** आहत
रोगयुक्त = रोग **से** युक्त
कष्टसाध्य = कष्ट **से** साध्य
भयभीत = भय **से** भीत
अकालपीड़ित = अकाल **से** पीड़ित **[CBSE 2010 (Term – I)]**
दयार्द्र = दया **से** आर्द्र
वाग्दत्ता = वाक् (वाणी) **से** दी हुई
शोकाकुल = शोक **से** आकुल
वाणहत = वाण **से** हत
पददलित = पद (पैर) **से** दलित
गुरुदत्त = गुरु **द्वारा** दत्त
मनमाना = मन **से** माना हुआ
भुखमरा = भूख **से** मरा हुआ
मनगढ़ंत = मन **से** गढ़ा हुआ
इन उदाहरणों में करण कारक की विभक्ति '**से**' अथवा '**द्वारा**' का लोप हुआ है।

(ग) संप्रदान तत्पुरुष

हथघड़ी = हाथ **के लिए** घड़ी
देशभक्ति = देश **के लिए** भक्ति **[CBSE 2010 (Term – I)]**
अनाथालय = अनाथों **के लिए** आलय
नाट्यशाला = नाट्य **के लिए** शाला
सत्याग्रह = सत्य **के लिए** आग्रह
हथकड़ी = हाथ **के लिए** कड़ी
गुरुदक्षिणा = गुरु **के लिए** दक्षिणा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
हवनसामग्री = हवन **के लिए** सामग्री
डाकव्यय = डाक **के लिए** व्यय
विद्यालय = विद्या **के लिए** आलय
गौशाला = गौओं **के लिए** शाला
पाठशाला = पाठ **के लिए** शाला
युद्धभूमि = युद्ध **के लिए** भूमि
डाकगाड़ी = डाक **के लिए** गाड़ी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
राहखर्च = राह **के लिए** खर्च **[CBSE 2010 (Term – I)]**
आरामकुर्सी = आराम **के लिए** कुर्सी
देशार्पण = देश **के लिए** अर्पण
क्रीड़ाक्षेत्र = क्रीड़ा **के लिए** क्षेत्र
रसोईघर = रसोई **के लिए** घर
जेबघड़ी = जेब **के लिए** घड़ी
देवबलि = देवताओं **के लिए** बलि
मालगाड़ी = माल **के लिए** गाड़ी
इन उदाहरणों में संप्रदान कारक की विभक्ति '**के लिए**' का लोप हुआ है।

(घ) अपादान तत्पुरुष

जन्मांध = जन्म **से** अंध
बंधनमुक्त = बंधन **से** मुक्त
पथभ्रष्ट = पथ **से** भ्रष्ट **[CBSE 2010 (Term – I)]**
भयमुक्त = भय **से** मुक्त
देशनिकाला = देश **से** निकाला **[CBSE 2010 (Term – I)]**
ऋणमुक्त = ऋण **से** मुक्त
पदच्युत = पद **से** च्युत
शक्तिविहीन = शक्ति **से** विहीन
धर्मविमुख = धर्म **से** विमुख
जीवनमुक्त = जीवन **से** मुक्त
धनहीन = धन **से** हीन
गुणहीन = गुण **से** हीन
जातिच्युत = जाति **से** च्युत
लक्ष्यभ्रष्ट = लक्ष्य **से** भ्रष्ट
रोगमुक्त = रोग **से** मुक्त
विद्यारहित = विद्या **से** रहित
इन उदाहरणों में अपादान कारक की विभक्ति '**से**' का लोप हुआ है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ङ) संबंध तत्पुरुष

सेनानायक = सेना **का** नायक
यमुनातट = यमुना **का** तट
भूदान = भू **का** दान
राजपुत्र = राजा **का** पुत्र **[CBSE 2010 (Term – I)]**
राष्ट्रगौरव = राष्ट्र **का** गौरव
मातृभक्त = माता **का** भक्त
पदाकांक्षा = पद **की** आकांक्षा
सेनापति = सेना **का** पति
परीक्षार्थी = परीक्षा **का** अर्थी
राष्ट्रपति = राष्ट्र **का** पति
स्वास्थ्यरक्षा = स्वास्थ्य **की** रक्षा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
भारतवासी = भारत **का** वासी
राजसभा = राजा **की** सभा
जलधारा = जल **की** धारा
राजप्रासाद = राजा **का** प्रासाद
दिनचर्या = दिन **की** चर्या
राजमहल = राजा **का** महल
गृहस्वामी = गृह **का** स्वामी
राजाज्ञा = राजा **की** आज्ञा
जीवनसाथी = जीवन **का** साथी
राजपुरुष = राजा **का** पुरुष
भारतरत्न = भारत **का** रत्न
राजदूत = राजा **का** दूत
उद्योगपति = उद्योग **का** पति
रामभक्ति = राम **की** भक्ति
भ्रातृस्नेह = भ्राता **का** स्नेह
पुष्पवर्षा = पुष्पों **की** वर्षा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
गंगातट = गंगा **का** तट
पवनपुत्र = पवन **का** पुत्र
प्रेमसागर = प्रेम **का** सागर
सिरदर्द = सिर **का** दर्द
लक्ष्मीपति = लक्ष्मी **का** पति **[CBSE 2010 (Term – I)]**

इन उदाहरणों में संबंध कारक की विभक्ति '**का**', '**के**', '**की**' का लोप हुआ है।

(च) अधिकरण तत्पुरुष

स्कूटरसवार = स्कूटर **पर** सवार
नीतिकुशल = नीति **में** कुशल
चिंतामग्न = चिंता **में** मग्न
जलसमाधि = जल **में** समाधि
कर्मनिरत = कर्म **में** निरत (लगा हुआ)
दानवीर = दान **में** वीर
पर्वतारोहण = पर्वत **पर** आरोहण
वनवास = वन **में** वास **[CBSE 2010 (Term – I)]**
शरणागत = शरण **में** आगत
घुड़सवार = घोड़े **पर** सवार
आपबीती = आप **पर** बीती
शास्त्रप्रवीण = शास्त्र **में** प्रवीण **[CBSE 2010 (Term – I)]**
जलज = जल **में** ज (जन्मा)
लोकप्रिय = लोक **में** प्रिय
धर्मवीर = धर्म **में** वीर
कलाकुशल = कला **में** कुशल **[CBSE 2010 (Term – I)]**
संगीतनिपुण = संगीत **में** निपुण
रणवीर = रण **में** वीर

इन उदाहरणों में अधिकरण कारक की विभक्ति '**में**', '**पर**' का लोप हुआ है।

3. कर्मधारय समास

जिस समास के दोनों पदों में **विशेषण-विशेष्य** या **उपमेय-उपमान** का संबंध होता है और **उत्तरपद** प्रधान होता है, उसे **कर्मधारय समास** कहते हैं।

(1) पूर्व (पहला) पद विशेषण तथा उत्तर (दूसरा) पद विशेष्य

समस्तपद	**विशेषण**	**विशेष्य**	**समास-विग्रह**
पीतांबर	पीत	अंबर	पीत (पीला) **है जो** अंबर
नीलकमल	नील	कमल	नीला **है जो** कमल
कालीमिर्च	काली	मिर्च	काली **है जो** मिर्च
नीलगगन	नील	गगन	नीला **है जो** गगन
महात्मा	महा	आत्मा	महान **है जो** आत्मा
			[CBSE 2010 (Term – I)]
शुभागमन	शुभ	आगमन	शुभ **है जो** आगमन
भलामानस	भला	मानस	भला **है जो** मानस
सज्जन	सत्	जन	सत् **है जो** जन
सद्धर्म	सत्	धर्म	सत् **है जो** धर्म
सत्संगति	सत्	संगति	सत् **है जो** संगति
नीलकंठ	नील	कंठ	नीला **है जो** कंठ
नीलांबर	नील	अंबर	नीला **है जो** अंबर
श्वेतांबर	श्वेत	अंबर	श्वेत **है जो** अंबर
महाराजा	महा	राजा	महा **है जो** राजा
महाजन	महा	जन	महा **है जो** जन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

महादेव	महा	देव	महा **है जो** देव
महाविद्यालय	महा	विद्यालय	महा **है जो** विद्यालय

(2) पूर्वपद विशेष्य और उत्तरपद विशेषण

समस्तपद	विशेष्य	विशेषण	समास-विग्रह
पुरुषोत्तम	पुरुष	उत्तम	पुरुषों में **जो** उत्तम
			[CBSE 2010 (Term – I)]
ऋषिप्रवर	ऋषि	प्रवर	ऋषियों में **जो** प्रवर (श्रेष्ठ)
नराधम	नर	अधम	नरों में **जो** अधम (नीच)

(3) विशेषण उभयपद अर्थात जहाँ दोनों पद विशेषण होते हैं

समस्तपद	पूर्वपद	उत्तरपद	समास-विग्रह
श्यामसुंदर	श्याम	सुंदर	श्याम **और** सुंदर
शीतोष्ण	शीत	उष्ण	शीत **और** उष्ण
खटमिट्ठा	खट्टा	मीठा	खट्टा **और** मीठा

(6) पूर्वपद उपमान और उत्तरपद उपमेय

समस्तपद	उपमान	उपमेय	समास-विग्रह
कमलनयन	कमल	नयन	कमल **के समान** नयन
वज्रदेह	वज्र	देह	वज्र **के समान** देह
कंचनवर्ण	कंचन	वर्ण	कंचन (सोने) **के समान** वर्ण (रंग)

(5) पूर्वपद उपमेय और उत्तरपद उपमान

समस्तपद	उपमेय	उपमान	समास-विग्रह
चरणकमल	चरण	कमल	कमल **के समान** चरण
पुरुषसिंह	पुरुष	सिंह	सिंह **के समान** (शक्तिशाली) पुरुष
संसारसागर	संसार	सागर	संसार **रूपी** सागर

4. द्विगु समास

जिस समास का **पहला पद संख्यावाची विशेषण** होता है और **समस्तपद समाहार** यानी समूह का बोध कराता है, उसे **द्विगु समास** कहते हैं। जैसे—

सप्तर्षि	सात ऋषियों **का समूह**
त्रिभुज	तीन भुजाओं **का समूह**
नवरात्रि	नौ रात्रियों **का समाहार**
त्रिशूल	तीन शूलों **का समूह**
सतसई	सात सौ (दोहों) **का समाहार**
पंजाब	पाँच आबों (जल) **का समूह**

5. द्वंद्व समास

जिस समास के **दोनों पद प्रधान** होते हैं, उन्हें **द्वंद्व समास** कहते हैं। द्वंद्व समास के दोनों पद योजक-चिह्न द्वारा जुड़े होते हैं। कभी-कभी योजक-चिह्न का लोप भी होता है। जैसे—

जीवन-मरण	=	जीवन **और** मरण
अन्न-जल	=	अन्न **और** जल
सत्यासत्य	=	सत्य **और** असत्य
लाभ-हानि	=	लाभ **या** हानि
गुण-दोष	=	गुण **और** दोष
राजा-रंक	=	राजा **और** रंक

6. बहुव्रीहि समास

जिस सामासिक पद में कोई भी पद प्रधान न होकर कोई **अन्य (तीसरा) पद प्रधान** होता है, उसे **बहुव्रीहि समास** कहते हैं। बहुव्रीहि समास से निर्मित शब्द विशेषण का कार्य करता है। जैसे—

पीतांबर	= पीत हैं अंबर जिसके	(श्रीकृष्ण, विष्णु)
वीणापाणि	= वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके	(सरस्वती / नारद)
नीलकंठ	= नीला है कंठ जिसका	(शिव)
दशानन	= दश हैं आनन जिसके	(रावण)
त्रिलोचन	= तीन हैं लोचन जिसके	(शिव)
चक्रपाणि	= चक्र है पाणि में जिसके	(विष्णु)
चंद्रशेखर	= चंद्र है शिखर पर जिसके	(शिव)
चतुर्मुख	= चार हैं मुख जिसके	(ब्रह्मा)

कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर

कर्मधारय समास के दोनों पदों में **विशेषण-विशेष्य** या **उपमेय-उपमान** का संबंध होता है, जबकि बहुव्रीहि समास के **दोनों पद मिलकर किसी अन्य पद की ओर संकेत करते हैं** यानी तीसरे पद की विशेषता प्रकट करते हैं। जैसे—

पीतांबर = पीत (पीला) है जो अंबर (वस्त्र)
— (कर्मधारय समास)
= पीत (पीला) है अंबर जिसका (श्रीकृष्ण)
— (बहुव्रीहि समास)

महादेव = महान है जो देव — (कर्मधारय समास)
= महान है जो देवता (शिव/शंकर)
— (बहुव्रीहि समास)

महात्मा = महान है जो आत्मा
— (कर्मधारय समास)
= महान है आत्मा जिसकी (ऋषि, मुनि)
— (बहुव्रीहि समास)

नीलकंठ = नीला है जो कंठ
— (कर्मधारय समास)
= नीला है कंठ जिसका (शिव)
— (बहुव्रीहि समास)

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

संधि और समास में अंतर

(1) संधि वर्णों में होती है जबकि समास शब्दों में होता है।

(2) संधि का अर्थ होता है—दो अक्षरों के संयुक्त होने पर उत्पन्न होने वाला विकार, किंतु समास का अर्थ होता है, संग्रह अथवा संक्षेपण। इसमें कम-से-कम दो पदों का योग होता है।

(3) संधि प्रायः शुद्ध तत्सम शब्दों में होती है, किंतु समास के लिए शब्द का तत्सम होना आवश्यक नहीं है।

(4) संधि तोड़ने को विच्छेद कहते हैं, जबकि समास तोड़ने को विग्रह।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. निम्नलिखित समस्तपदों का सही समास विग्रह चुनकर लिखिए–

1. स्वर्णकार
- **(क)** सोने से काम करने वाला
- **(ख)** सोने का काम करने वाला
- **(ग)** सोने पर काम करने वाला
- **(घ)** सोने के लिए काम करने वाला

2. धनप्राप्त
- **(क)** धन के लिए प्राप्त **(ख)** धन को प्राप्त
- **(ग)** धन से प्राप्त **(घ)** धन में प्राप्त

3. देवदत्त
- **(क)** देव को दत्त (दिया हुआ)
- **(ख)** देव के लिए दत्त
- **(ग)** देव के द्वारा दत्त **(घ)** देव का दत्त

4. भोजनसामग्री
- **(क)** भोजन की सामग्री
- **(ख)** भोजन के लिए सामग्री
- **(ग)** भोजन से बनी सामग्री **(घ)** भोजन में सामग्री

5. देशनिकाला
- **(क)** देश में निकाला **(ख)** देश को निकाला
- **(ग)** देश का निकाला **(घ)** देश से निकाला

6. वनवास
- **(क)** वन से वास **(ख)** वन में वास
- **(ग)** वन के लिए वास **(घ)** वन को वास

7. विदेशगमन
- **(क)** विदेश को गमन **(ख)** विदेश में गमन
- **(ग)** विदेश का जो गमन **(घ)** विदेश से गमन

8. प्रतिष्ठाप्राप्त
- **(क)** प्रतिष्ठा से प्राप्त **(ख)** प्रतिष्ठा को प्राप्त
- **(ग)** प्रतिष्ठा में जो प्राप्त
- **(घ)** प्रतिष्ठा के लिए प्राप्त

9. ईश्वर प्रदत्त
- **(क)** ईश्वर के द्वारा प्रदत्त
- **(ख)** ईश्वर के लिए प्रदत्त
- **(ग)** ईश्वर को प्रदत्त **(घ)** ईश्वर का प्रदत्त

10. ज्ञानयुक्त
- **(क)** ज्ञान में युक्त **(ख)** ज्ञान को युक्त
- **(ग)** ज्ञान से युक्त **(घ)** ज्ञान पर युक्त

11. मृगनयन
- **(क)** मृग के समान नयन **(ख)** मृग के नयन
- **(ग)** मृग में नयन **(घ)** मृग के लिए नयन

12. जेबकतरा
- **(क)** जेब में करतने वाला
- **(ख)** जेब से कतरने वाला
- **(ग)** जेब को कतरने वाला
- **(घ)** जेब का कतरने वाला

13. भयभीत
- **(क)** भय का भीत **(ख)** भय से भीत
- **(ग)** भय का भूत **(घ)** भय में भूत

14. विद्यालय
- **(क)** विद्या का आलय
- **(ख)** विद्या के लिए आलय
- **(ग)** विद्या को आलय **(घ)** विद्या में आलय

15. धर्मवीर
- **(क)** धर्म का वीर **(ख)** धर्म से वीर
- **(ग)** धर्म में वीर **(घ)** धर्म के लिए वीर

16. ग्रामगत **[CBSE 2010 (Term – I)]**
- **(क)** ग्राम से गत **(ख)** ग्राम को गत
- **(ग)** ग्राम में गत **(घ)** ग्राम के लिए गत

17. मनगढ़ंत
- **(क)** मन में गढ़ा हुआ **(ख)** मन से गढ़ा हुआ
- **(ग)** मन का गढ़ा हुआ
- **(घ)** मन के लिए गढ़ा हुआ

18. शक्तिविहीन
- **(क)** शक्ति से विहीन **(ख)** शक्ति का विहीन
- **(ग)** शक्ति के लिए विहीन
- **(घ)** शक्ति से हीन है जो

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

19. युद्धभूमि
(**क**) युद्ध की भूमि (**ख**) युद्ध के लिए भूमि
(**ग**) युद्ध हो जिस भूमि में
(**घ**) भूमि जहाँ युद्ध हो

20. गगनचुंबी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) आकाश में चूमने वाला
(**ख**) आकाश को चूमने वाला
(**ग**) आकाश की चुंबक (**घ**) आकाश में चुंबक

21. भुखमरा **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) भूख को मरने वाला (**ख**) भूख से मरने वाला
(**ग**) भूख से मरा हुआ
(**घ**) भूख को मारने वाला

22. चरणकमल
(**क**) चरण रूपी कमल
(**ख**) कमल के समान चरण
(**ग**) चरण के समान कमल
(**घ**) कमल के चरण

23. आरामकुर्सी
(**क**) आराम की कुर्सी (**ख**) आराम में कुर्सी
(**ग**) कुर्सी की आराम (**घ**) आराम के लिए कुर्सी

24. नगरगत
(**क**) नगर में गत (**ख**) नगर को गत
(**ग**) नगर से गत (**घ**) नगर के लिए गत

25. लोकप्रिय
(**क**) लोक का प्रिय (**ख**) लोक और प्रिय
(**ग**) लोक में प्रिय (**घ**) लोक को प्रिय

उत्तर : **1.** (ख) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख)
5. (घ) **6.** (ख) **7.** (क) **8.** (ख)
9. (क) **10.** (ग) **11.** (क) **12.** (ग)
13. (ख) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (ख)
17. (ख) **18.** (क) **19.** (ख) **20.** (ख)
21. (ख) **22.** (ख) **23.** (घ) **24.** (ख)
25. (ग)

II. निम्नलिखित समस्तपदों का सही समास-विग्रह चुनकर लिखिए–

1. संगीतनिपुण
(**क**) संगीत का निपुण (**ख**) संगीत जो निपुण है
(**ग**) संगीत से निपुण (**घ**) संगीत में निपुण

2. जीवनसाथी
(**क**) जीवन का साथी (**ख**) जीवन में साथी
(**ग**) जीवन के लिए साथी (**घ**) साथी का जीवन

3. नीतियुक्त
(**क**) नीति का युक्त (**ख**) नीति से युक्त
(**ग**) नीति के लिए युक्त (**घ**) नीति में युक्त

4. जेब-खर्च
(**क**) जेब का खर्च (**ख**) जेब में खर्च
(**ग**) जेब के लिए खर्च (**घ**) जेब से खर्च

5. नरसिंह
(**क**) नर जो सिंह के समान है (**ख**) नर का सिंह
(**ग**) नर में सिंह (**घ**) नर से सिंह

6. रसोईघर **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(**क**) रसोई में घर (**ख**) रसोई का घर
(**ग**) रसोई से घर (**घ**) रसोई के लिए घर

7. पदच्युत
(**क**) पद से च्युत (**ख**) पद को च्युत
(**ग**) पद के लिए च्युत (**घ**) पद में च्युत

8. पदाकांक्षा
(**क**) पद आकांक्षा (**ख**) पद में आकांक्षा
(**ग**) पद की आकांक्षा (**घ**) पद के लिए आकांक्षा

9. सज्जन
(**क**) सत् है जो जन (**ख**) सत् का जन
(**ग**) सत् में जन (**घ**) सत् से जन

10. धनहीन
(**क**) धन का हीन (**ख**) धन में हीन
(**ग**) धन से हीन (**घ**) धन के लिए हीन

11. स्वास्थ्यरक्षा
(**क**) स्वास्थ्य में रक्षा (**ख**) स्वास्थ्य के लिए रक्षा
(**ग**) स्वास्थ्य की रक्षा
(**घ**) स्वास्थ्य जो रक्षा के लिए

12. विद्याधन
(**क**) विद्यारूपी धन (**ख**) विद्या के लिए धन
(**ग**) विद्या में धन (**घ**) विद्या से धन

13. आपबीती
(**क**) आप में बीती (**ख**) आप पर बीती
(**ग**) अपना बिताया हुआ (**घ**) आप और बीती

14. गृहस्वामी
(**क**) गृह जो स्वामी है (**ख**) गृह के लिए स्वामी
(**ग**) गृह (घर) का स्वामी
(**घ**) गृह में स्वामी

15. जन्मांध
(**क**) जन्म भर अंधा (**ख**) जन्म का अंधा
(**ग**) जन्म में अंधा (**घ**) जन्म से अंधा

16. जलधारा
(**क**) जल की धारा (**ख**) जल जो धारा है
(**ग**) जल में धारा (**घ**) जल से धारा

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

17. नीलकंठ **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) नील का कंठ **(ख)** नीला है जो कंठ
(ग) कंठ में नीला **(घ)** नील का कंठ

18. हिमालय
(क) हिम के लिए आलय
(ख) हिम से आलय
(ग) हिम का आलय **(घ)** हिम में आलय

19. भारतरत्न
(क) भारत में रत्न **(ख)** भारत का रत्न
(ग) भारत के लिए रत्न **(घ)** भारत रूपी रत्न

20. कृष्णसर्प **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) कृष्ण (काला) है जो सर्प (साँप)
(ख) कृष्ण के लिए सर्प
(ग) कृष्ण का सर्प **(घ)** सर्प कृष्ण है

21. देशनिकाला
(क) देश के लिए निकाला **(ख)** देश में निकाला
(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

22. सद्धर्म
(क) सत् के लिए धर्म **(ख)** सत् में धर्म
(ग) सत् का धर्म **(घ)** सत् है जो धर्म

23. धूपघड़ी
(क) धूप में घड़ी **(ख)** धूप की घड़ी
(ग) धूप के लिए घड़ी **(घ)** घड़ी में धूप

24. सिरदर्द
(क) सिर का दर्द **(ख)** सिर में दर्द
(ग) सिर के लिए दर्द **(घ)** दर्द जो सिर में है

25. जातिच्युत
(क) जाति पर च्युत **(ख)** जाति में च्युत
(ग) जाति का च्युत **(घ)** जाति से च्युत

उत्तर : **1.** (घ) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (ग)
5. (क) **6.** (घ) **7.** (क) **8.** (ग)
9. (क) **10.** (ग) **11.** (ग) **12.** (क)
13. (ख) **14.** (ग) **15.** (घ) **16.** (क)
17. (ख) **18.** (ग) **19.** (ख) **20.** (क)
21. (घ) **22.** (घ) **23.** (ख) **24.** (ख)
25. (घ)

III. निम्नलिखित समस्तपद एवं उनके विग्रह का सही नाम चुनकर लिखिए।

1. सम्मानप्राप्त—सम्मान को प्राप्त
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

2. महात्मा—महान है जो आत्मा
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) अपदान तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

3. स्नानघर—स्नान के लिए घर
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

4. सेनापति—सेना का पति
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

5. धनहीन—धन से हीन
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

6. देवालय—देव के लिए आलय
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

7. तुलसीकृत—तुलसी के द्वारा कृत **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

8. रोगमुक्त—रोग से मुक्त
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

9. सुनामी-पीड़ित—सुनामी से पीड़ित
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

10. ग्रामसेवक—ग्राम का सेवक
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष
(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

11. महादेव—महान है जो देव
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

12. राष्ट्रपति—राष्ट्र का पति
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

13. ऋणमुक्त—ऋण से मुक्त
(क) अपादन तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

14. मालगाड़ी—माल के लिए गाड़ी **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

15. शोकमग्न—शोक में मग्न
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

16. हस्तलिखित—हस्त (हाथ) से लिखित
(क) कर्म तत्पुरुष (ख) संप्रदान तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष (घ) करण तत्पुरुष

17. देशभक्ति—देश के लिए भक्ति
(क) संप्रदान तत्पुरुष (ख) संबंध तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष (घ) करण तत्पुरुष

18. सत्याग्रह—सत्य के लिए आग्रह
(क) संबंध तत्पुरुष (ख) संप्रदान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष (घ) अपादान तत्पुरुष

19. जनसेवक—जन का सेवक
(क) करण तत्पुरुष (ख) कर्म तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष (घ) संप्रदान तत्पुरुष

20. जेबघड़ी—जेब के लिए घड़ी
(क) संबंध तत्पुरुष (ख) अपादान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष (घ) संप्रदान तत्पुरुष

21. ग्रामपंचायत—ग्राम की पंचायत
(क) संबंध तत्पुरुष (ख) कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष (घ) संप्रदान तत्पुरुष

22. गौशाला—गायों के लिए शाला (घर)
(क) संबंध तत्पुरुष (ख) संप्रदान तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष (घ) कर्म तत्पुरुष

23. वाचनालय—वाचन के लिए आलय
(क) संबंध तत्पुरुष (ख) अपादान तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष (घ) अधिकरण तत्पुरुष

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (घ)
5. (क) **6.** (ख) **7.** (ग) **8.** (घ)
9. (क) **10.** (ख) **11.** (ग) **12.** (घ)
13. (क) **14.** (ख) **15.** (ग) **16.** (घ)
17. (क) **18.** (ख) **19.** (ग) **20.** (घ)
21. (क) **22.** (ख) **23.** (ग)

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. 'मदमस्त' समस्तपद का विग्रह है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) मद और मस्ती (ख) मद से मस्त
(ग) मद की मस्ती (घ) मद का मस्त

2. 'पढ़ने के लिए सामग्री' का समस्त-पद होगा–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पाठ्य-पुस्तक (ख) पठ्-सामग्री
(ग) पाठ्य-सामग्री (घ) पढ़ाई-सामग्री

3. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) नीलकमल (ख) विद्याधन
(ग) कालसर्प (घ) उपर्युक्त सभी में

4. 'अकालपीड़ित' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) अकाल का पीड़ित (ख) अकाल से पीड़ित
(ग) अकाल के लिए पीड़ित (घ) अकाल को पीड़ित

5. 'नीला है जो कंठ' का समस्त पद है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) नीलाकंठ (ख) नीलकंठ
(ग) कंठनीला (घ) नीलकंठा

6. निम्नलिखित में से किस पद में तत्पुरुष समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) अधपका (ख) आमरण
(ग) चक्रधर (घ) जलधारा

7. 'स्वरचित' समस्तपद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) स्वर से रचित (ख) सु रचित
(ग) स्वर से चित (घ) स्व से रचित

8. 'धर्म से विमुख' का समस्तपद है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) धर्ममुख (ख) धर्मविमुख
(ग) धर्मोख (घ) धमोविमुख

9. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) ग्रंथरत्न (ख) शरणागत
(ग) बेशक (घ) नर-नारी

10. 'पुस्तकालय' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पुस्तक और आलय
(ख) पुस्तक का जो है आलय
(ग) पुस्तक का आलय (घ) पुस्तकों के लिए आलय

11. 'कायर है जो पुरुष' का समस्त पद है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) कायर-पुरुष (ख) कापुरुष
(ग) कमज़ोर पुरुष (घ) कायर और पुरुष

12. निम्नलिखित में से किसमें तत्पुरुष समास है?
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पंकज (ख) ग्रामगत
(ग) चतुर्भुज (घ) प्रत्यक्ष

13. 'अमृतधारा' समस्त पद का विग्रह है–
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) धारा अमृत की (ख) अमृत रूपी धारा
(ग) अमृत की धारा (घ) अमृत और धारा

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

14. 'ग्रंथ रूपी रत्न' का समस्त पद है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) रत्नग्रंथ **(ख)** ग्रंथरत्न

(ग) ग्रंथरत्ना **(घ)** रत्नरूपा

15. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) पंचानन **(ख)** नीलगगन

(ग) प्रत्यक्ष **(घ)** मदांध

16. 'गुरुदक्षिणा' समस्तपद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) गुरु की दक्षिणा **(ख)** गुरु के लिए दक्षिणा

(ग) गुरु को दी गई दक्षिणा **(घ)** गुरु और दक्षिणा

17. पर के अधीन का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) परअधीन **(ख)** पराधीन

(ग) पाराधीन **(घ)** परोधीन

18. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वनवास **(ख)** आजन्म

(ग) आपबीती **(घ)** कालीमिर्च

19. 'तुलसी लिखित' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) तुलसी का लिखित **(ख)** तुलसी से लिखित

(ग) तुलसी के द्वारा लिखित **(घ)** तुलसी का लिखा हुआ

20. 'अंधा है जो कूप' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अंधकूप **(ख)** अंधाकूप

(ग) अंधकूपा **(घ)** कूपअंधा

उत्तर

(1) (ख)	**(2)** (ग)	**(3)** (घ)
(4) (ख)	**(5)** (ख)	**(6)** (घ)
(7) (घ)	**(8)** (ख)	**(9)** (क)
(10) (घ)	**(11)** (ख)	**(12)** (ख)
(13) (ग)	**(14)** (ख)	**(15)** (ख)
(16) (ख)	**(17)** (ख)	**(18)** (घ)
(19) (ग)	**(20)** (क)	

V. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) लौहपुरुष **(ख)** देहलता

(ग) मनमयूर **(घ)** रसोईघर

2. 'वनवास' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वन में वास **(ख)** वन के लिए वास

(ग) वन से वास **(घ)** वन पर वास

3. 'चंद्र के समान मुख' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) चंद्र का मुख **(ख)** चंद्र रूपी मुख

(ग) चंद्रमुख **(घ)** मुख रूपी चंद्र

4. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) महाराज **(ख)** पाठशाला

(ग) आकाशवाणी **(घ)** रोगमुक्त

5. निम्नलिखित में से किस समस्तपद में तत्पुरुष समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) महादेव **(ख)** चरण कमल

(ग) त्रिभुवन **(घ)** पुस्तकालय

6. 'रसोईघर' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) रसोई के लिए घर **(ख)** घर के लिए रसोईघर

(ग) घर में रसोई **(घ)** रसोई में घर

7. 'संसार रूपी सागर' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) संसारसागर **(ख)** सागर रूपी संसार

(ग) संसार रूपी सागर **(घ)** संसार के समान सागर

8. दिए गए समस्त पद के उचित विग्रह का चयन करिए। हस्तलिखित– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) हाथ से लिखनेवाला **(ख)** हस्त से लिखनेवाला

(ग) हस्त से लिखित **(घ)** हाथों से लिखित

9. 'सत्याग्रह' में प्रयुक्त समास है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय

(ग) द्वन्द्व **(घ)** अव्ययीभाव

10. 'भव रूपी सागर' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) संसार जैसा सागर **(ख)** भव ही सागर

(ग) भवसागर **(घ)** भवरूप सागर

11. निम्नलिखित में से किसमें कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) रसोईघर **(ख)** यज्ञशाला

(ग) आजीवन **(घ)** मृगनयन

12. 'डाकगाड़ी' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) डाक और गाड़ी **(ख)** डाक के लिए गाड़ी

(ग) डाक की गाड़ी **(घ)** गाड़ी पर रखा हुआ डाक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

13. 'ईश्वर से विमुख' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) ईश्वरविमुख **(ख)** ईश्वर उम्मुख
(ग) ईश्वर के पास **(घ)** ईश्वर से दूर

14. किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) शताब्दी **(ख)** अन्न-जल
(ग) अनाथ **(घ)** अकाल-पीड़ित

15. 'गगनचुंबी' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) गगन को चूमना **(ख)** गगन को चूमने वाला
(ग) गगन के लिए चूमना **(घ)** गगन को पकड़ना

16. 'नीला है जो कमल' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) नीलकमल **(ख)** नीला कमल
(ग) कमल नील **(घ)** नील पंकज

17. 'यज्ञशाला' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) यज्ञ की शाला **(ख)** शाला के लिए यज्ञ
(ग) शाला की यज्ञ **(घ)** यज्ञ के लिए शाला

18. 'विद्यारूपी धन' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विद्यारूपता **(ख)** विद्यारूपी
(ग) विद्याधन **(घ)** धन विद्या

19. किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) राजपुत्र **(ख)** रसोईघर
(ग) गुणहीन **(घ)** महादेव

20. 'वेदांत' में समास का कौन-सा भेद है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय
(ग) बहुव्रीहि **(घ)** अव्ययीभाव

21. 'ग्रामगत' समस्तपद का विग्रह है–**[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) ग्राम और गत **(ख)** ग्राम को आग
(ग) ग्राम को गत **(घ)** ग्राम का आगत

22. 'वाक् द्वारा दत्त' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वाग्दत्ता **(ख)** वाचालदत्त
(ग) वाक्दत्त **(घ)** वाग्दत्तक

23. 'कालसर्प' समस्त-पद में समास का भेद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कर्मधारय समास **(ख)** तत्पुरुष समास
(ग) अव्ययीभाव समास **(घ)** द्विगु समास

24. 'अपने में लीन' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अपलीन **(ख)** आपलीन
(ग) आत्मलीन **(घ)** आत्मालीन

25. 'प्रधानमंत्री' समस्त-पद का विग्रह होगा–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) प्रधान है जो मंत्री **(ख)** मंत्री का प्रधान
(ग) मंत्रियों में प्रधान **(घ)** प्रधान और मंत्री

26. निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) अल्पोक्ति **(ख)** अन्न-जल
(ग) यथाशक्ति **(घ)** चक्रधर

27. 'शोक से आकुल' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) शोकुल **(ख)** शोककुल
(ग) शोक्सकुल **(घ)** शोकाकुल

28. 'देशभक्ति' समस्त पद का विग्रह है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) भक्ति में देश **(ख)** देश में भक्ति
(ग) भक्ति के लिए देश **(घ)** देश के लिए भक्ति

29. 'कनक जैसी लता' का समस्त पद है–

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कनक रूपी लता **(ख)** कनक और लता
(ग) कनकलता **(घ)** लताकनक

30. निम्नलिखित में किस समस्तपद में तत्पुरुष समास है?

[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) नीलगाय **(ख)** परमानंद
(ग) पीतांबर **(घ)** धनहीन

उत्तर :

1. (घ)	**2.** (क)	**3.** (ग)	**4.** (क)
5. (घ)	**6.** (क)	**7.** (क)	**8.** (ग)
9. (क)	**10.** (ग)	**11.** (घ)	**12.** (ग)
13. (क)	**14.** (घ)	**15.** (ख)	**16.** (क)
17. (घ)	**18.** (ग)	**19.** (घ)	**20.** (क)
21. (ग)	**22.** (ग)	**23.** (क)	**24.** (ग)
25. (क)	**26.** (क)	**27.** (घ)	**28.** (घ)
29. (ग)	**30.** (घ)		

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

VI. निम्नलिखित समस्त पदों के सही समास-विग्रह एवं नाम को चुनकर लिखिए–

1. नीलांबर
- **(क)** नीला है जो अंबर—कर्मधारय समास
- **(ख)** नील का अंबर—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** नीला में अंबर—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** नील के लिए अंबर—संप्रदान समास

2. क्रीड़ाक्षेत्र
- **(क)** क्रीड़ा का क्षेत्र—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** क्रीड़ा में क्षेत्र—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** क्रीड़ा के लिए क्षेत्र—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** क्रीड़ा का जो क्षेत्र—कर्मधारय तत्पुरुष

3. जीवनमुक्त
- **(क)** जीवन जो मुक्त है—कर्मधारय समास
- **(ख)** जीवन से मुक्त—अपादान तत्पुरुष
- **(ग)** जीवन में मुक्त—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** जीवन के लिए मुक्त—संप्रदान तत्पुरुष

4. घुड़सवार
- **(क)** घोड़े पर सवार—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** घोड़े पर है जो सवार—कर्मधारय तत्पुरुष
- **(ग)** घोड़े का सवार—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** घोड़े के लिए सवार—संप्रदान तत्पुरुष

5. लक्ष्मीपति
- **(क)** लक्ष्मी का है जो पति—कर्मधारय समास
- **(ख)** लक्ष्मी के लिए पति—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** लक्ष्मी को पति—कर्म तत्पुरुष
- **(घ)** लक्ष्मी का पति—संबंध तत्पुरुष

6. देवबलि
- **(क)** देव के लिए बलि—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ख)** देव की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** देव पर बलि—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** देव को बलि—कर्म तत्पुरुष

7. देहलता
- **(क)** देह की लता—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** देह पर लता—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** देह है जो लता—कर्मधारय समास
- **(घ)** देह रूपी लता—कर्मधारय समास

8. पापमुक्त **[CBSE 2010 (Term – I)]**
- **(क)** पाप से मुक्त—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** पाप की मुक्ति—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** पाप के लिए मुक्त—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** पाप जो मुक्ति है—कर्मधारय समास

9. शुभागमन
- **(क)** शुभ का आगमन—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** शुभ के लिए आगमन—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ग)** शुभ है जो आगमन—कर्मधारय समास
- **(घ)** शुभ पर आगमन—अधिकरण तत्पुरुष

10. काकबलि
- **(क)** काक की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ख)** काक जो बलि है—कर्मधारय समास
- **(ग)** काक के लिए बलि—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** काक पर बलि—अधिकरण तत्पुरुष

11. ज्ञानरहित
- **(क)** ज्ञान से रहित—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** ज्ञान का रहित—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** ज्ञान में रहित—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** ज्ञान जो रहित है—कर्मधारय तत्पुरुष

12. क्रोधाग्नि
- **(क)** क्रोध में अग्नि—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** क्रोध की अग्नि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** अग्नि का क्रोध—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** क्रोध रूपी अग्नि—कर्मधारय समास

13. धर्मविमुख
- **(क)** धर्म से विमुख—अपादान तत्पुरुष
- **(ख)** धर्म में विमुख—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** धर्म का विमुख—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** धर्म जो विमुख है—कर्मधारय तत्पुरुष

14. राहखर्च
- **(क)** राह के लिए खर्च—संप्रदान तत्पुरुष
- **(ख)** राह का खर्च—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** राह में खर्च—अधिकरण तत्पुरुष
- **(घ)** खर्च वाली राह—कर्मधारय तत्पुरुष

15. करोड़पति
- **(क)** करोड़पति वाला—कर्मधारय समास
- **(ख)** करोड़ों में एक पति—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ग)** पति जो करोड़पति है—कर्मधारय समास
- **(घ)** करोड़ों (रुपयों) का पति—संबंध तत्पुरुष

16. जलज
- **(क)** जल में जनमा—अधिकरण तत्पुरुष
- **(ख)** जल से जन्म—करण तत्पुरुष
- **(ग)** जल का जन्म—संबंध तत्पुरुष
- **(घ)** जल के लिए जन्म—संप्रदान तत्पुरुष

17. बलिपशु
- **(क)** पशु को बलि—कर्म तत्पुरुष
- **(ख)** पशु की बलि—संबंध तत्पुरुष
- **(ग)** बलि के लिए पशु—संप्रदान तत्पुरुष
- **(घ)** बलि का पशु—संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

18. नगरवासी

(क) नगर का वासी—संबंध तत्पुरुष

(ख) नगर जो वासी—कर्मधारय समास

(ग) नगर पर बसने वाला—अधिकरण तत्पुरुष

(घ) नगर में वास—अधिकरण तत्पुरुष

19. पथभ्रष्ट

(क) पथ पर भ्रष्ट—अधिकरण तत्पुरुष

(ख) पथ का भ्रष्ट—कर्मधारय समास

(ग) पथ से भ्रष्ट—अपादान तत्पुरुष

(घ) पथ जो भ्रष्ट—कर्मधारय तत्पुरुष

20. शास्त्रप्रवीण

(क) शास्त्र जो प्रवीण है—कर्मधारय समास

(ख) शास्त्र में प्रवीण—अधिकरण तत्पुरुष

(ग) शास्त्र का प्रवीण है—संबंध तत्पुरुष

(घ) शास्त्र के लिए प्रवीण है—संप्रदान तत्पुरुष

21. अनाथालय

(क) अनाथों का आलय—संबंध तत्पुरुष समास

(ख) अनाथों के लिए आलय—संप्रदान तत्पुरुष

(ग) अनाथों का आलय है जो—कर्मधारय समास

(घ) अनाथ और आलय—तत्पुरुष समास

22. संसारसागर

(क) संसार का सागर—संबंध तत्पुरुष

(ख) संसार के लिए सागर—संप्रदान तत्पुरुष

(ग) संसार रूपी सागर—कर्मधारय समास

(घ) संसार में सागर—अधिकरण तत्पुरुष

23. चंद्रबदन

(क) चंद्र का बदन—संबंध तत्पुरुष

(ख) बदन का चंद्र—संबंध तत्पुरुष

(ग) चंद्र के समान बदन—कर्मधारय समास

(घ) बदन के समान चंद्र—कर्मधारय तत्पुरुष

24. पुष्पवर्षा

(क) पुष्पों की वर्षा—संबंध तत्पुरुष

(ख) पुष्पों में वर्षा—अधिकरण तत्पुरुष

(ग) वर्षा का पुष्प—संबंध तत्पुरुष

(घ) पुष्पों के लिए वर्षा—संप्रदान तत्पुरुष

25. व्यायामशाला

(क) शाला की व्यायाम—संबंध तत्पुरुष

(ख) व्यायाम की शाला—संबंध तत्पुरुष

(ग) व्यायाम के लिए शाला—संप्रदान तत्पुरुष

(घ) व्यायाम से शाला—करण तत्पुरुष

उत्तर :

1. (क)	**2.** (ग)	**3.** (ख)	**4.** (क)
5. (घ)	**6.** (क)	**7.** (घ)	**8.** (क)
9. (ग)	**10.** (ग)	**11.** (क)	**12.** (घ)
13. (क)	**14.** (क)	**15.** (घ)	**16.** (क)
17. (ग)	**18.** (क)	**19.** (ग)	**20.** (ख)
21. (ख)	**22.** (ग)	**23.** (ग)	**24.** (क)
25. (ग)			

VI. निम्नलिखित समस्तपद एवं उनके विग्रह का सही नाम चुनकर लिखिए—

1. 'पीतांबर' समस्त पद का सही विग्रह है?

(क) पीत है जो अंबर

(ख) पीला अंबर का समूह **(ग)** पीत का अंबर

(घ) पीत और अंबर

2. 'राह के लिए खर्च' का समस्त पद है–

(क) खर्चेराह **(ख)** रहेखर्च

(ग) राहखर्च **(घ)** खर्चराह

3. 'कार्य-व्यस्त' समस्तपद का विग्रह है–

(क) कार्य से व्यस्त

(ख) कार्य के लिए व्यस्त **(ग)** कार्य में व्यस्त

(घ) कार्य को व्यस्त

4. 'नीली है जो गाय' का समस्तपद है?

(क) नीलीगाय **(ख)** नीलगाय

(ग) श्यामा गाय **(घ)** नीली गऊ

5. 'हस्तलिखित' का समास-विग्रह है?

(क) हस्त पर लिखित **(ख)** हस्त से लिखित

(ग) हस्त को लिखित **(घ)** हस्त में लिखित

6. 'परम है जो आनंद' का समस्तपद है–

(क) प्रमानंद **(ख)** परमानांद

(ग) प्रमानंद **(घ)** परमानंद

7. 'अपने आप पर बीती' का समस्त पद है–

(क) अपनबीती **(ख)** आपाबीती

(ग) अपने आप बीती **(घ)** आपबीती

8. 'गृहप्रवेश' समस्त पद का विग्रह है–

(क) गृह में प्रवेश **(ख)** गृह का प्रवेश

(ग) गृह से प्रवेश **(घ)** गृह पर प्रवेश

9. 'नीला है जो गगन' का समस्त पद है–

(क) नीलागगन **(ख)** नीलगगन

(ग) गगननील **(घ)** नीलगन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

10. 'सप्तर्षि' का सही विग्रह तथा समास होगा
(क) सात ऋषि रहते हों जहाँ - बहुव्रीहि
(ख) सात हैं जो ऋषि -बहुव्रीहि
(ग) सात ऋषि हैं जो - कर्मधारय
(घ) सात ऋषियों का समाहार - द्विगु

11. निम्नलिखित में से कर्मधारय समास का उदाहरण छाँटकर लिखिए-
(क) राजकुमार **(ख)** बाणहत
(ग) राजपुत्र **(घ)** मुखचंद्र

12. 'करकमल' समस्त पद का विग्रह है-
(क) कर के समान कमल **(ख)** कर रूपी कमल
(ग) कर और कमल **(घ)** इनमें से कोई नहीं

13. 'भूख से मरा' का समस्त पद व समास है-
(क) भुखमरा - अव्ययीभाव
(ख) भुखमरा - कर्मधारय
(ग) भुखमरा - तत्पुरुष
(घ) भुखमरा - द्वन्द्व

14. 'अठन्नी' का विग्रह है-
(क) आठ आनों का समाहार **(ख)** आठ अंधों का समूह
(ग) आठ अन्नों का समूह **(घ)** आठ कोणों का समूह

15. 'कमल के समान चरण' का उचित समस्तपद है-
(क) कमलचरण **(ख)** चरणकमल
(ग) कमल और चरण **(घ)** कमल ही चरण

16. 'भोजनालय' समस्त पद का विग्रह है-
(क) भोजन का आलय **(ख)** भोजन से आलय
(ग) भोजन छ्वारा आलय **(घ)** भोजन के लिए आलय

17. 'महान है जो आत्मा' का समस्त पद है-
(क) महाआत्मा **(ख)** महात्मा
(ग) महआत्मा **(घ)** महत्मा

18. 'कार्य-व्यस्त' समस्तपद का विग्रह है-
(क) कार्य से व्यस्त **(ख)** कार्य के लिए व्यस्त
(ग) कार्य में व्यस्त **(घ)** कार्य को व्यस्त

19. 'स्त्री रूपी रत्न' समास का भेद है?
(क) तत्पुरुष समास **(ख)** अव्ययीभाव समास
(ग) कर्मधारय समास **(घ)** द्वंद्व समास

20. 'रसोईघर' का विग्रह व समास है?
(क) रसोई के लिए घर - तत्पुरुष
(ख) रसोई है जो घर - कर्मधारय
(ग) रसोई और घर - द्वंद्व
(घ) रसोई है जिसका घर - बहुव्रीहि

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ग)	**3.** (ग)	**4.** (ख)
	5. (ख)	**6.** (घ)	**7.** (घ)	**8.** (क)
	9. (ख)	**10.** (घ)	**11.** (घ)	**12.** (ख)
	13. (ग)	**14.** (क)	**15.** (ख)	**16.** (घ)
	17. (ख)	**18.** (ग)	**19.** (ग)	**20.** (क)

VIII. (अ) निम्नलिखित समस्त पदों का सही समास-विग्रह चुनिए

1. नृत्य-संगीत
(क) संगीत द्वारा नृत्य **(ख)** संगीत पर नृत्य
(ग) नृत्य और संगीत **(घ)** नृत्य के साथ संगीत

2. स्वास्थ्य रक्षा
(क) स्वास्थ्य में रक्षा
(ख) स्वाथ्य के लिए रक्षा
(ग) स्वास्थ्य की रक्षा
(घ) स्वास्थ्य जो रक्षा के लिए

3. देश निकाला
(क) देश के लिए निकाला **(ख)** देश में निकाला
(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

4. जीवनसाथी
(क) जीवन का साथी **(ख)** जीवन में निकाला
(ग) देश को निकाला **(घ)** देश से निकाला

5. पदच्युत
(क) पद से च्युत **(ख)** पद को च्युत
(ग) पद के लिए च्युत **(घ)** पद में च्युत

6. सिरदर्द
(क) सिर का दर्द **(ख)** सिर में दर्द
(ग) सिर के लिए दर्द **(घ)** दर्द जो सिर में है

7. नीलकंठ
(क) नील का कंठ **(ख)** नीला है जो कंठ
(ग) कंठ में नीला **(घ)** नील का कंठ

GOYAL BROTHERS PRAKASH

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

8. रसोईघर

(क) रसोई के लिए घर -तत्पुरुष

(ख) रसोई है जो घर-कर्मधारय

(ग) रसोई और घर - द्वंद्व

(घ) रसोई है जिसका घर-बहुब्रीहि

9. जन्मांध

(क) जन्म भर अंधा **(ख)** जन्म का अंधा

(ग) जन्म में अंधा **(घ)** जन्म से अंधा

10. धनहीन

(क) धन का हीन **(ख)** धन में हीन

(ग) धन से हीन **(घ)** धन के लिए हीन

(ब) निम्नलिखित समास-विग्रह का समस्त पद चुनिए-

1. कमल के समान चरण

(क) कमलचरण **(ख)** चरणकमल

(ग) कमल और चरण **(घ)** कमल ही चरण

2. सात सिंधुओं का समूह

(क) सात सिंधु **(ख)** सातसागर

(ग) सप्तसागर **(घ)** सप्तसिंधु

(स) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. 'समास का नाम चुनिए-स्त्रीरूपी रत्न

(क) तत्पुरुष समास

(ख) अव्ययीभाव समास

(ग) कर्मधारय समास

(घ) द्वंद समास

2. भूख से मरा-समास पद और समास का नाम चुनिए।

(क) भुखमरा-अव्ययी भाव

(ख) भुखमरा-कर्मधारय

(ग) भुखमरा-तत्पुरुष

(घ) भुखमरा-द्वंद्व

उत्तर :

(अ)	**1.** (ग)	**2.** (ख)	**3.** (घ)	**4.** (क)
	5. (क)	**6.** (ख)	**7.** (ख)	**8.** (क)
	9. (घ)	**10.** (ग)		
(ब)	**1.** (ख)	**2.** (घ)		
(स)	**1.** (ग)	**2.** (ग)		

IX. (ब) निम्नलिखित समास-विग्रह तथा समस्त पदों के दिए गए समास के नामों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1. युद्ध के लिए क्षेत्र—युद्धक्षेत्र

(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

2. स्वर्ग में वास—स्वर्गवास

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

3. नया है गीत जो—नवगीत

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** करण तत्पुरुष

4. शोक से ग्रस्त—शोकग्रस्त

(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** करण तत्पुरुष

5. हिम का आलय—हिमालय

(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

6. वाल्मीकि द्वारा रचित—वाल्मीकिरचित

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** संबंध समास

7. सत् है जो जन-सज्जन

(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

8. घन के समान श्याम—घनश्याम

(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष

(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

9. जल में मग्न (डूबा हुआ)—जलमग्न

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष

(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

10. देवों का ईश—देवेश

(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** संबंध तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** कर्म तत्पुरुष

11. मीठा है जो अन्न—मिष्ठान्न

(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष

(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संबंध तत्पुरुष

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

12. पीत (पीला) है जो अंबर (कपड़ा)—पीतांबर
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

13. पाप से मुक्त—पापमुक्त
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** करण तत्पुरुष
(ग) कर्मधारय समास **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

14. पेट में दर्द—पेटदर्द
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) अपादान तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

15. राजा का महल—राजमहल
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

16. पुरुषों में जो उत्तम—पुरुषोत्तम
(क) संबंध तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

17. काली है जो मिर्च—कालीमिर्च
(क) कर्मधारय समास **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

18. माखन को चुराने वाला—माखनचोर
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) अधिकरण तत्पुरुष **(घ)** अपादान तत्पुरुष

19. मन से माना हुआ—मनमाना
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

20. हवन के लिए सामग्री—हवनसामग्री
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** संप्रदान तत्पुरुष

21. जन्म से अंधा —जन्मांध
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

22. कर्म में निरत (लगा हुआ)—कर्मनिरत
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** कर्मधारय समास

23. भू (पृथ्वी) का दान—भूदान
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) संबंध तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

24. गगन को चूमने वाला—गगनचुंबी
(क) अधिकरण तत्पुरुष **(ख)** संप्रदान तत्पुरुष
(ग) कर्मधारय तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

25. गुरु द्वारा दिया हुआ—गुरुदत्त
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) कर्म तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

26. जल में जन्म लेने वाला—जलज
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** अधिकरण तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** कर्म तत्पुरुष

27. राह के लिए खर्च—राहखर्च
(क) करण तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) संप्रदान तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

28. परीक्षा का अर्थी (देने का इच्छुक)—परीक्षार्थी
(क) संप्रदान तत्पुरुष **(ख)** कर्म तत्पुरुष
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** संबंध तत्पुरुष

29. पद से च्युत (गिरा या हटा हुआ)—पदच्युत
(क) अपादान तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

30. सिंह के समान पुरुष—पुरुषसिंह
(क) कर्म तत्पुरुष **(ख)** कर्मधारय समास
(ग) करण तत्पुरुष **(घ)** अधिकरण तत्पुरुष

उत्तर :

1. (ख)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
5. (घ)	**6.** (ख)	**7.** (ग)	**8.** (घ)
9. (क)	**10.** (ख)	**11.** (ग)	**12.** (घ)
13. (क)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (ख)
17. (क)	**18.** (ख)	**19.** (ग)	**20.** (घ)
21. (क)	**22.** (ख)	**23.** (ग)	**24.** (घ)
25. (क)	**26.** (ख)	**27.** (ग)	**28.** (घ)
29. (क)	**30.** (ख)		

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

1. <u>क्रियाकलाप</u>

फ़्लैशकार्ड पर कुछ प्रश्न समस्तपद लिखकर कक्षा में ला सकते हैं। फिर कक्षा में प्रत्येक फ़्लैशकार्ड को बारी-बारी से दिखाकर उसका विग्रह करवाया जा सकता है। साथ ही उस समास का नाम भी पूछ सकते हैं। गलत उत्तर होने पर दूसरे विद्यार्थी को बोलने का मौका दें। इस प्रकार सभी विद्यार्थियों से समास-विग्रह करवाकर भेद का नाम पूछा जा सकता है। आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों की गलतियाँ सुधारें। बारंबार के अभ्यास से समास की अवधारणा स्पष्ट की जा सकती है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. क्रियाकलाप

कहानी या कविता का कोई विशेष अंश विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए देकर उसमें से समस्तपद छँटवाए जा सकते हैं। फिर प्रत्येक समास का विग्रह करवाकर उसके भेद का नाम पूछ सकते हैं। जैसे–

श्री मैथिलीशरण गुप्त की प्रसिद्ध रचना 'मनुष्यता' का निम्नलिखित अंश पढ़कर उसमें से समस्तपद छाँटकर उसका विग्रह कीजिए और साथ ही समास का नाम बताइए–

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो, कभी,
मरो, परंतु यो मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
क्षुधार्त रतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

संकेत–पशु-प्रवृत्ति, क्षुधार्त, करस्थ, अस्थिजाल, शरीर-धर्म, अनित्य, अनादि, क्षितीश आदि समस्तपद हैं।

कक्षा-कार्य

'समास' की अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में पाठ की पुनरावृत्ति करते हुए विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं। जैसे–

- 'समास' शब्द से आप क्या समझते हैं?
- 'समस्तपद' किसे कहते हैं?
- समास के कितने भेद हैं? उनके नाम बताइए।
- तत्पुरुष समास के कितने भेद हैं? उन भेदों की क्या विशेषताएँ हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

गृह-कार्य

- चार्ट पेपर पर कुछ ऐसे चित्र बनाकर लाने के लिए छात्रों से कह सकते हैं जिनसे समस्तपद को समझने में सुविधा हो। जैसे–घुड़सवार, हथघड़ी या हथकड़ी, लाल मिर्च, काली मिर्च, महाराजा, महात्मा, महादेव, राजमहल, राजकुमार, राजपुत्री, मालगाड़ी, विद्यालय, हिमालय, रसोईघर, गौशाला, हवनसामग्री, माखनचोर (बाल गोपाल), नीलाकाश आदि। बाद में कक्षा में इन चित्रों को दिखाकर उनके नाम पूछ सकते हैं। ध्यान रखें कि विद्यार्थी जो भी नाम बोलें, वे समस्तपद हों। शुद्ध उत्तर न मिलने पर अन्य छात्र को बोलने का मौका दें। फिर समास-विग्रह करवाकर उनके भेद का नाम पूछें। आवश्यकतानुसार त्रुटियों का संशोधन करें।
- सामान्य वार्तालाप के दौरान वाक्य में बहुधा प्रयुक्त होने वाले समस्तपदों को छाँटकर उनका विग्रह करने के लिए कह सकते हैं। जैसे–दहीबड़ा, गुरुदक्षिणा, मनगढ़ंत, सिरदर्द, पेटदर्द, लोकप्रिय, पर्वतारोहण, विद्यालय, गंगातट, धनहीन, शरणागत, राहखर्च, भयमुक्त, ग्रंथकार आदि।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN